केवल निजी संचलन के लिए

त्रिनिकेतन समाचार

[k.M&1 Øekd 2 vi;y&tu 2023

प्रधान संपादक: डॉ. अनिला नायर

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और कार्यक्रमों का प्रभावी कार्यान्वयन: रणनीति और तकनीकें

डॉ. अनिला नायर द्वारा

सामाजिक सुरक्षा प्रयास के इतिहास में, सबसे महत्वपूर्ण कदम 1952 में 28 जून को सामाजिक सुरक्षा (न्यूनतम मानक) कन्वेंशन को अपनाना था।

इस सम्मेलन ने तब से सामाजिक सुरक्षा उपायों की पारिस्थिति को बदल दिया है। पारस्परिक रूप से सहमत नौ शास्त्रीय उपाय दुनिया भर में सरकारों को सामान्य रूप से अपने लोगों और विशेष रूप से श्रमिकों को सामाजिक कवर प्रदान करने के लिए मार्गदर्शन कर रहे हैं। नौ शास्त्रीय शाखाएँ हैं:—

&lEikndh; eMy&

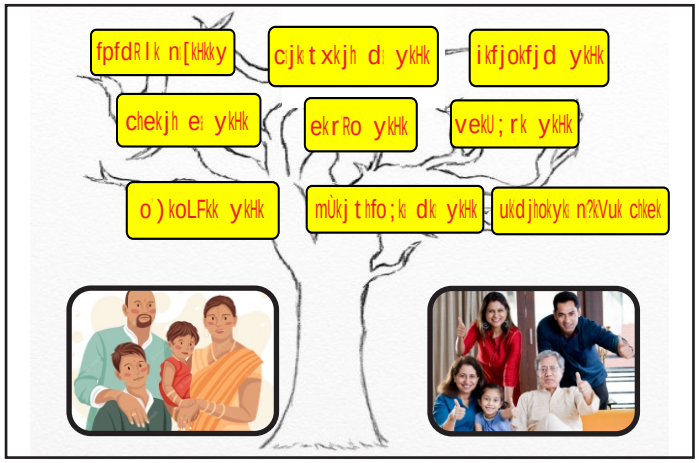

ç/kku lEiknd & M,- vfuyk uk;j

&lEikndh; ckMZ ds lnL;&

- çks- ftrUæ pkS/kjh
- Jh- dSyk'k uk;j
- Jh- ,'kys i,y

&lkexzh dh rkfydk&

lEikndh;% lkekftd lqj{kk ;kstukvksa dk çHkkoh dk;kZUo;u dk;ZØe% j.kuhfr vkSj rduhdsa	1
dk;Z dh nqfu;k	1
f=fudsru xfrfof/k;k¡	2

यह ऐतिहासिक सम्मेलन दुनिया में किसी भी सामाजिक सुरक्षा उपाय को डिजाइन करने के लिए एक वैश्विक संदर्भ है।

भारत में, केंद्र और राज्य दोनों सरकारें श्रमिकों और उनके परिवारों को सामाजिक सुरक्षा कवर प्रदान करने के लिए पहल कर रही हैं। और इन प्रयासों ने दशकों से लाखों लोगों की मदद की है।

सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाने के लिए कुछ रणनीतिक हस्तक्षेप की आवश्यकता है। यहां कुछ कदम सुझाए गए हैं।

- असुरक्षा और संकट के समय सामान्य रूप से लोगों और विशेष रूप से श्रमिकों की सुरक्षा के लिए सामाजिक सुरक्षा उपाय आवश्यक हैं।
- सरकार और समाज दोनों द्वारा लागू किए गए सामाजिक सुरक्षा उपाय लोगों को सभ्य जीवन स्तर बनाए रखने में मदद करते हैं।
- दशकों से, केंद्र और राज्य दोनों सरकारें विभिन्न श्रेणियों के श्रमिकों और समाज के वर्गों के लिए कई योजनाएं लागू कर रही हैं।
- लेकिन विभिन्न कठिनाइयों के कारण योजनाओं का क्रियान्वयन ठीक से नहीं हो पाता है।
- कारण हैं:—
  - ➢ जागरूकता की कमी;
  - ➢ कठिन पात्रता मानदंड;
  - ➢ अपर्याप्त लाभ राशि;
  - ➢ सुविधा प्रदान करने वाली संस्थाओं, जैसे एनजीओ, ट्रेड यूनियन आदि का अभाव;
  - ➢ भ्रष्टाचार;
  - ➢ जटिल प्रक्रिया।

इन बाधाओं को दूर करने के लिए निम्नलिखित उपाय करने चाहिए:—

- कार्यान्वयन प्रक्रिया में कठिनाइयों की पहचान करें;
- कार्यान्वयन के लिए रणनीति और तकनीक विकसित करें;
- हितधारकों के बीच जागरूकता बढ़ाना;
- लाभार्थियों और उनके समर्थकों द्वारा जमीनी स्तर पर सामाजिक सुरक्षा संगठन बनाएं;
- स्व—सहायता सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क विकसित करने के लिए कार्यक्रम संचालित करना।

—कार्य की दुनिया—

—श्रम संहिता—

भारत सरकार ने एक दशक तक विचार—विमर्श के बाद 29 श्रम

कानूनों को चार संहिताओं में संहिताबद्ध किया :–

- वेतन संहिता
- सामाजिक सुरक्षा कोड
- व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता और
- औद्योगिक संबंध कोड।

संहिताकरण के मुख्य उद्देश्य हैं (i) सरलीकरण; (ii) समामेलन; और (iii) पहले के श्रम कानूनों को युक्तिसंगत बनाना। इसके अलावा सरकार ने पंद्रह अन्य श्रम कानूनों को भी रद्द कर दिया हैं।

–जी20 शिखर सम्मेलन भारत 2023–

इस साल भारत सरकार G20 बैठक की मेजबानी कर रही है. यह बैठक भारत की क्षमता और संभावनाओं को उजागर करके देश में काफी रुचि पैदा कर रही है।

–बाल श्रम दिवस : 12 जून, 2023–

बाल श्रम एक स्थानिक समस्या रही है। तमाम कोशिशों के बावजूद बाल श्रम की घटनाएं अभी भी जारी हैं। बाल श्रम दिवस मनाकर हम इस मुद्दे पर नजर रख रहे हैं और तदनुसार, हम समस्या को खत्म करने के लिए ठोस प्रयास कर रहे हैं।

–घरेलू कामगार दिवस : 16 जून, 2023–

16 जून को अंतर्राष्ट्रीय घरेलू कामगार दिवस के रूप में मनाया जाता है। आज विश्व में लाखों घरेलू कामगार हैं। उनमें से कई बहुत असुरक्षित हैं। मौजूदा कानून उनकी वांछित सीमा तक रक्षा नहीं करते हैं। वे बहुत संगठित भी नहीं हैं। परिणामस्वरूप, उनके पास मोल–तोल करने की शक्ति नहीं है।

कई घरेलू कामगार प्रवासी हैं, और कभी–कभी उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है जिससे उन्हें अनुचित पीड़ा होती है।

अंतर्राष्ट्रीय घरेलू कामगार दिवस मनाकर, हम अपने सामूहिक प्रयास से उनकी सामाजिक–आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह बहुत उचित होगा यदि हम सभी घरेलू कामगारों के बच्चों को स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सहायता प्रदान करने का संकल्प लें।

–त्रिनिकेतन गतिविधियाँ–

भूपनगर गांव में ग्रामीण विकास, झाँसी, उ.प्र.

भारत के विकास के लिए ग्रामीण विकास बहुत महत्वपूर्ण है। भारत की लगभग 70 प्रतिशत जनसंख्या आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। देश में लगभग आधा कार्यबल अपनी आजीविका के लिए कृषि में लगा हुआ है। इस तरह के महत्व को देखते हुए, ग्रामीण विकास गतिविधियों को बढ़ावा देना आवश्यक है क्योंकि देश के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों की संभावना है। इसके अलावा, ग्रामीण क्षेत्रों में मानव संसाधन, भूमि संसाधन, जल संरक्षण, वन संसाधन आदि जैसे संसाधनों के मामले में बड़ी संभावनाएं हैं।

इन संसाधनों का समुचित एवं सतत विकास उनकी क्षमता बढ़ाने के हमारे प्रयास पर निर्भर करता है।

इसे ध्यान में रखते हुए त्रिनिकेतन फाउंडेशन फॉर डेवलपमेंट उत्तर प्रदेश के जिला झाँसी में स्थित भूपनगर गाँव की विकास प्रक्रिया में भाग लेने की योजना बना रहा है।

शुरुआत करने के लिए, फाउंडेशन ने सबसे पहले 08 अप्रैल, 2023 को गाँव में एक ओरिएंटेशन–कम– नीड सेंसिंग कार्यक्रम आयोजित किया। हमारा मानना है कि भारत में हमारे 6.5 लाख गाँवों में अपने संसाधनों का उपयोग करके हम अपने गाँव को शांति, प्रगति और समृद्धि का घर बना सकते हैं।

कार्यक्रम ग्राम भूपनगर, झाँसी, उ.प्र. स्थित पंचायती भवन में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागी ग्राम निवासियों से उनके गाँव के विकास के संबंध में विचार और राय प्राप्त करना था।

कार्यक्रम के विशिष्ट उद्देश्य निम्नलिखित थे:–

- विकास के लिए पहल करने हेतु समस्याओं और अवसरों की पहचान करना;
- गाँव में मानव और भौतिक संसाधनों की उपलब्धता की पहचान करना;

- मौजूदा संसाधनों और उभरती आवश्यकताओं के बीच अंतर को मापने के लिए;
- संसाधनों के उपयोग की सीमा को समझना;
- उन्हें प्रभावशाली संगठन, विशेषकर पंचायती राज संस्था के निर्माण के विचारों से परिचित कराना;
- गाँव में संसाधनों का मानचित्रण करना।

कार्यक्रम में 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिन्हें ग्राम प्रधान और अनुभवी ट्रेड यूनियन कार्यकर्ता श्री शिरोमणि सिंह राजपूत द्वारा चुना गया था। प्रतिभागी विभिन्न आयु समूहों और शैक्षिक स्तरों से थे। इसके अलावा गांव के जूनियर हाईस्कूल के एक दर्जन से अधिक छात्र–छात्राओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

गौतमपुरी आवास, बदरपुर, नई दिल्ली में घरेलू/अन्य श्रमिकों/लोगों के लिए आधे दिन का जागरूकता कार्यक्रम

गौतमपुरी आवास राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के दक्षिण पूर्व जिले में स्थित है। 2020 सर्वेक्षण के अनुसार कुल जनसंख्या 14827 है। कुल जनसंख्या में पुरुषों की संख्या 8065 है; जबकि महिलाओं की संख्या 6762 है। यह क्षेत्र घनी आबादी वाला है।

इलाके की अधिकांश आबादी विभिन्न अनौपचारिक गतिविधियों में लगी हुई है, जैसे घरेलू काम, रिक्शा संचालन, पैडल और ऑटो दोनों, स्वच्छता कार्य, कारखाने का काम, सुरक्षा गार्ड, आदि।

प्रतिभागियों से बातचीत के दौरान उनके द्वारा बताया गया कि महिला श्रमिकों में से अधिकांश घरेलू काम में लगी हुई हैं। और हर दिन, महिला घरेलू कामगार दक्षिणी दिल्ली में विभिन्न स्थानों की यात्रा करती हैं। उन्होंने बताया कि वे काम के लिए लाजपत नगर, डिफेंस कॉलोनी, साउथ एक्सटेंशन, भोगल, जंगपुरा, हौज खास, सफदरजंग आदि जगहों पर जाते हैं। वे सुबह जल्दी घर से निकल जाते हैं और शाम को वापस आते हैं।

यहां यह ध्यान दिया जा सकता है कि, कई दशक पहले, गौतमपुरी आवास की आबादी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान और दक्षिण दिल्ली के अन्य क्षेत्रों के पास झुग्गी बस्तियों में रहती थी। झुग्गियों के पुनर्वास के बाद, घरेलू कामगार अब इलाके से रोजाना आवागमन करते हैं। गौतमपुरी बदरपुर का उप–इलाका है, और अली गाँव के निकट स्थित है। यह दिल्ली–मथुरा रोड पर स्थित है।

गौतमपुरी आवास और भारतीय नाटककार प्रोफेसर ओमचेरी एन.एन. पिल्लई के आवास पर थिएटर समारोह

विथुरा सुधाकरन, विश्व प्रतिभा रिकॉर्ड धारक का थिएटर ऑफ यूनिटीः एकता

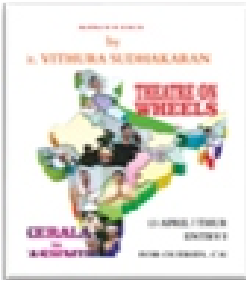

प्रसिद्ध मलायाली थिएटर कार्यकर्ता विथुरा सुधाकरन अपने नाटक 'एकथा' के माध्यम से मानव हृदय और आत्माओं को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं। वह एकता का संदेश लेकर केरल से कश्मीर तक की लंबी यात्रा पर हैं। और वह अपना संदेश बहुत ही अनोखे अंदाज में देते हैं। वह एक शाश्वत यात्री है और उसका एकमात्र साथी उसकी मोटरसाइकिल है। वह पहले ही एक लंबी दूरी तय कर चुके हैं और रास्ते में वह अपने दर्शकों के बीच सद्भाव का संदेश छोड़ रहे हैं।

29 मई 2023 को, श्री विथुरा सुधाकरन को त्रिनिकेतन फाउंडेशन फॉर डेवलपमेंट द्वारा आमंत्रित किया गया था और उन्होंने नई दिल्ली में गौतमपुरी, बदरपुर के निवासियों के बीच अपना एकल नाटक प्रस्तुत किया।लोगों ने उनके नाटक को बहुत उत्साह से देखा और खूब तालियाँ बजाईं।

श्री सुधाकरन का एकता, शांति और सद्भाव का संदेश उन लोगों के दिलों में बसा रहेगा जिन्होंने उनका थिएटर प्रदर्शन देखा है। संघर्षग्रस्त विश्व में उनका संदेश समाज के लिए मरहम है।

चेयरपर्सन डॉ. अनिला नायर ने प्रोफेसर एन.एन. पिल्लई ओमचेरी और पद्मश्री लीला ओमचेरी से 29 मई, 2023 को मुलाकात की। उन्होंने महिला सशक्तिकरण, बच्चों की शिक्षा, घरेलू कामगारों आदि के संबंध में समकालीन प्रासंगिकता के कई मुद्दों पर चर्चा की।

–झाँसी के बीड़ी श्रमिक–

भारत में अब 50 लाख से अधिक बीड़ी श्रमिक हैं। भारत के लगभग सोलह राज्यों में बीड़ी बनाने की प्रथा प्रचलित है। बीड़ी श्रमिकों की भारी संख्या महिला बीड़ी बनाने वालों की है।

उत्तर प्रदेश के झाँसी शहर में बहुत से बीड़ी मजदूर हैं। आप देख सकते हैं कि कई महिलाएं घरेलू काम काज के अलावा बीड़ी भी बना रही हैं। इस काम से उन्हें आय होती है, जो उनके जीवनयापन के लिए बहुत जरूरी है। बीड़ी बनाने से संबंधित कई मुद्दों के बावजूद, यह व्यवसाय हजारों बीड़ी बनाने वाली महिलाओं को एक अवसर प्रदान करके मदद कर रहा है जो उन्हें अपने बच्चों को शिक्षित करने और कई अन्य जरूरतों को पूरा करने में मदद करता है।

वरिष्ठ ट्रेड यूनियन नेता श्री भागवानदास पहलवान ने बातचीत करते हुए कहा, ''बीड़ी बनाना कई परिवारों की आय का एक प्रमुख स्रोत है''। उन्होंने यह भी कहा, ''यद्यपि, रोजगार में थोड़ी गिरावट आई है फिर भी यह झाँसी के कई परिवारों के लिए आजीविका का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्रोत है''।

झाँसी में बीड़ी बनाने वाली महिलाओं से बातचीत के दौरान उनमें से कई ने कहा कि उन्हें स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या नहीं हुई, हालाँकि वे कई दशकों से बीड़ी बना रही हैं। इससे स्पष्ट है कि बीड़ी उद्योग आर्थिक रूप से वंचित महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस महत्व को देखते हुए, किसी भी व्यावसायिक खतरे को कम करने के लिए उचित सुरक्षा उपाय अपनाएँ जा सकते हैं।

–हमारे बहुमूल्य योगदानकर्ता–

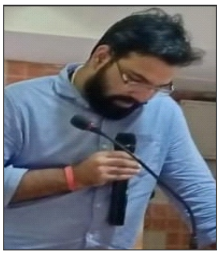

çkQslj fugky jkt

çkQslj f'kokuh

çkQslj ftræ pk/kjh

Jh f'kjkef.k flg jktir

Jh- vfHkyk"k

श्री. समसुल आलम

&gel lid dl djs &

☎ 011-96676 4895

triniketanfoundation2018@gmail.com

www.triniketanfoundation.org

&mnkjrkiod nku djs&

TRINIKETAN FOUNDATION FOR

MID : 037212000079238 TID : 53570212

ME Helpdesk: 18602332332 / 022-40426060

The details of our bank accounts are as under:
Axis Bank Ltd, R.K. Puram Branch, Munirka,
New Delhi-110067,
Savings Bank Account No. 923010000628304,
IFS Code UTIB0003532